प्रकाशन तिथि : 15 जनवरी, 2024
प्रेषण तिथि : 19 जनवरी, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 21 | कुल पृष्ठः 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

श्रद्धेय आयुवान सिंह जी हुडील की 57वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

7 जनवरी को श्री क्षत्रिय युवक संघ के द्वितीय संघप्रमुख श्रद्धेय आयुवान सिंह जी हुडील की 57वीं पुण्यतिथि थी। 1954 से 1959 तक संघप्रमुख का दायित्व संभालने वाले आयुवान सिंह जी जुझारू, संघर्षशील और दृढ़ संकल्पित व्यक्तित्व के धनी थे। 1955-56 के भूस्वामी आंदोलन के प्रणेता और संचालक के रूप में उनकी सांगठनिक क्षमता समाज के सामने प्रकट हुई। उन्होंने मेरी साधना, राजपूत और भविष्य, हमारी ऐतिहासिक भूलें, ममता और कर्त्तव्य जैसी अनेक पुस्तकें लिखीं जिनसे उनकी दूरदृष्टि और अद्भुत लेखन क्षमता का परिचय मिलता है। अपने साथियों और अनुयायियों में 'माट्साब' के नाम से प्रसिद्ध श्रद्धेय आयुवान सिंह जी राजनीति में भी सक्रिय रहे। (शेष पृष्ठ 7 पर)

प्रथम चरण की पूर्णाहुति पर संघशक्ति पहुंची संदेश यात्रा

(पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी संदेश यात्रा के प्रथम चरण के गत अंक से आगे के समाचार)

पूज्य श्री तनसिंह जी की जन्मस्थली बेरसियाला से 22 दिसंबर को रवाना हुई जन्म शताब्दी संदेश यात्रा का प्रथम चरण 31 दिसंबर को पूरा हुआ जब यात्रा विभिन्न स्थानों से गुजरते हुए जयपुर स्थित संघशक्ति कार्यालय पहुंची। यहां माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया।

इससे पूर्व अपने पहले चरण के आठवें दिन 29 दिसंबर को संदेश यात्रा सुबह 8:00 बजे सवाई माधोपुर से रवाना हुई। यात्रा का काफिला बाटोदा फोर्ट, मलारना खुर्द, बोनली, खिरनी, देहलोद, जटवाडी, बिजैरा, गंगापुर सिटी होते हुए सपोटरा पहुंचा, जहां स्थानीय विधायक हंसराज मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष भरत लाल मीणा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों और शहरवासियों द्वारा यात्रा दल का स्वागत किया गया। इसके पश्चात सपोटरा स्थित राजपूत सभा भवन में एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें समाजबंधुओं द्वारा जन्म शताब्दी समारोह को लेकर चर्चा की गई। यहां से रवाना होकर यात्रा कैलादेवी पहुंची जहां कैला देवी मंदिर में ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद यात्रा ने करौली में प्रवेश किया। यहां श्री गोपाल सिंह राजपूत छात्रावास में सभा हुई। सभा में करौली की पूर्व महारानी रोहिणी कुमारी एवं अनेको गणमान्य समाजबंधु भी उपस्थित रहे और यात्रा दल का स्वागत किया। यहां दोपहर का भोजन करने के पश्चात रवाना होकर यात्रा सरमथुरा पहुंची जहां ब्लॉक अध्यक्ष भोला सिंह एवं अन्य ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

पांच राजपूत अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित

9 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित होने वाली खेल प्रतिभाओं में पांच राजपूत शामिल हैं जिनमें चार महिला खिलाड़ी हैं। देश के दूसरे सर्वोच्च खेल पुरस्कार अर्जुन अवार्ड से सम्मानित होने वाले ये खिलाड़ी हैं - दिव्याकृति सिंह, ऋतु नेगी, ईशा सिंह, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और शीतल देवी। नागौर के पीह गांव की निवासी दिव्याकृति सिंह घुड़सवारी की इक्वेस्ट्रियन शैली की खिलाड़ी है और वे इस वर्ष अर्जुन पुरस्कार के लिए चयनित राजस्थान की एकमात्र खिलाड़ी है। (शेष पृष्ठ 7 पर)

जन्म शताब्दी समारोह के निमित्त देशभर में संपर्क जारी

28 जनवरी को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने जा रहे पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए समाजबंधुओं को निमंत्रण देने के लिए स्वयंसेवकों द्वारा अलग अलग दल बनाकर देश भर में संपर्क का क्रम निरंतर जारी है। इसी क्रम में 28 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के बिसुंदरा और ओलिना गांव में तथा मेरठ जिले के दतावली, समयपुर, बठला केथ, आलमपुर और गढ़ी किठौर गांवों में संपर्क किया गया। जयपुर के सीकर रोड और करणी पैलेस रोड़ क्षेत्र में भी संपर्क किया गया। रतनगढ़ क्षेत्र के संगासर, लुंछ, कुसुमदेसर, छाबड़ी मीठी, फ्रांसा, छाबड़ी खारी और भींचरी गांव में संपर्क किया गया। लाडनूं क्षेत्र के रायधना, मिठड़ी, लाछड़ी, फिरवासी, आसोटा, रोडू, भामास, रीगण गांवों में और सरदारशहर क्षेत्र के सोनपालसर और अडसिसर गांव में संपर्क हुआ। बीकानेर में श्री डूंगरगढ़ क्षेत्र के गुसाईसर, ईदपालसर हीरावतान, ईदपालसर बड़ा बास, धर्मास, नोसरिया, मिंग्सरिया गांवों में संपर्क हुआ। डूंगरपुर, प्रतापगढ़, लाखेरी (बूंदी) और धरियावाद (प्रतापगढ़) में भी जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया गया। 29 दिसंबर को उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के सलगमा, अंधियार, खरवा, ककरिया खेड़ा, उगेमा गांवों में और सहारनपुर क्षेत्र के संभलहेड़ी, लखनौती कल्ला, पुंवारका, हलालपुर, आसनवाली, सुंदरहेडी, जखवाला, भायला, देवबंद गांवों में संपर्क किया गया। उत्तरप्रदेश में लघु मेवाड़ के नाम से प्रसिद्ध साठा चौरासी क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भी संपर्क किया गया। बामनखेड़ा, रामपुर (मुजफ्फरनगर) और घोड़ी बचेड़ी (ग्रेटर नोएडा) में भी संपर्क हुआ। जयपुर शहर के कनकपुरा, हरमाड़ा घाटी, सीकर रोड क्षेत्र में संपर्क हुआ। लाडनूं क्षेत्र के थाणू, सूपका, सेवा, ललासरी, दयालपुरा, बेमोठ, दीनदारपुरा, नुवां, फोगड़ा और चौलूखां गांवों में भी संपर्क किया गया। जाखली (मकराना), जैतसीसर, हालासर, हरदेसर, बादडिया में भी संपर्क किया गया। 30 दिसंबर को उत्तरप्रदेश में सहारनपुर के शब्बीरपुर, माजरा, बड़गांव, उमाही, खुडाना, रामखेड़ी, करोंदी, झिंझोली, नगला, बाबेल, बढेड़ी घोघू, बुढाखेड़ा, पुन्डीर गांवों में संपर्क किया गया। बुलंदशहर जिले के पतरामपुर, पाहसू, अंधियार गांवों में भी संपर्क किया गया।

करहेड़ा (गाजियाबाद)

(शेष पृष्ठ 2 पर)

प्रथम चरण की पूर्णाहुति पर संघशक्ति पहुंची संदेश यात्रा

(पेज एक से लगातार)

यहां से अगई, बसेड़ी और बाड़ी होते हुए संदेश यात्रा अपने आठवें दिन के अंतिम पड़ाव धौलपुर पहुंची, जहां समाजबंधुओ द्वारा उत्साह पूर्वक पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। संदेश यात्रा अपने नवें दिन 30 दिसंबर को सुबह 8:00 बजे सामूहिक यज्ञ के पश्चात धौलपुर से रवाना हुई। यात्रा में शामिल वाहनों का काफिला यहां से सेपऊ पहुंचा जहां समाजबंधुओं द्वारा यात्रा दल का स्वागत किया गया। इसके पश्चात यात्रा रूपवास पहुंची जहां भाजपा के प्रदेश मंत्री भानु प्रताप सिंह राजावत ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर यात्रा का स्वागत किया। इसके पश्चात यात्रा भरतपुर पहुंची जहां विभिन्न स्थानों पर समाजबंधुओ ने यात्रा का स्वागत करते हुए पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में अधिकतम संख्या में दिल्ली पहुंचने का संकल्प जताया। यहां से यात्रा महवा राजपूत छात्रावास पहुंची जहां एक सभा का आयोजन किया गया। इसके पश्चात यात्रा भजेड़ा गोपाल होटल, टोडाभीम होते हुए मेहंदीपुर बालाजी पहुंची। यहां से दातली, बड़ागांव हाईवे और बांदीकुई होते हुए यात्रा दौसा पहुंची। यहां समाज बंधुओ के साथ एक बैठक आयोजित हुई तथा इसके पश्चात दौसा में ही यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया। 31 दिसंबर को सुबह 8:00 बजे यात्रा मलारना (दौसा) से रवाना हुई और लालसोट होते हुए कानोता पहुंची जहां स्थानीय समाजबंधुओं द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद यात्रा जामडोली, जयपुर पहुंची जहां सभा का आयोजन हुआ। इसके पश्चात अल्बर्ट हॉल पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें राजस्थान सरकार में केबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर व राज्यवर्धन सिंह राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, विधायक हमीर सिंह भायल, देवीसिंह बानसूर , पूर्व विधायक महारानी रोहीणी कुमारी, श्रवण सिंह बगड़ी सहित

अनेकों गणमान्य व्यक्तियों ने संदेश यात्रा का स्वागत किया। यहां से दुपहिया और चौपहिया वाहनों का काफिला रैली के रूप में रामनिवास बाग, महाराजा कॉलेज, स्टेच्यू सर्कल, अहिंसा मार्ग, अजमेरी पुलिया, सोडाला, पुरानी चुंगी, वैशाली, खातीपुरा, ऑफिसर्स कैंपस, सिरसी रोड़, पांच्यावाला, खिरनी फाटक, करधनी, शेखावत मार्ग, कांटा चौराहा, गणेश मंदिर होते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति पहुंचा। सभी स्थानों पर समाजबंधुओं व शहरवासियों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया।

जन्म शताब्दी समारोह के निमित्त देशभर में संपर्क जारी

(पेज एक से लगातार)

हरियाणा में पलवल जिले के कुर्थला, छायंसा, उडीथल, बिघावली गांवों में और गुरुग्राम के घामडोज, आटा, हिलालपुर गांव में और मेवात क्षेत्र के उजीना गांव में संपर्क किया गया। जयपुर के हरमाड़ा घाटी क्षेत्र में भी संपर्क किया गया। बिलुडा (डूंगरपुर), डेलासर (चांधन), नावां, खारडिया, परबतसर, पलाड़ा, नंदवाण, (लाडनूं), खामियाद (लाडनूं) में भी जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया गया। 31 दिसंबर को सहारनपुर क्षेत्र के गंगाली, बटनवाला, नानका, जजनेर, रेडी, नौसरडी, हसनपुर, मांडूवाला गांवों में संपर्क किया गया। हरियाणा में फरीदाबाद क्षेत्र के कबुलपुर, सरमथला गांवों में और सेक्टर 8 स्थित प्रताप भवन में भी समाजबंधुओं के साथ बैठकें आयोजित कर जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया गया। मंडावर (हरिद्वार) बागपुर (पलवल), जहांगीराबाद (उत्तर प्रदेश), करौली (गौतम बुद्ध नगर), श्याम विहार कॉलोनी दिल्ली में भी संपर्क हुआ। नोखा क्षेत्र के जांगलू, मान्याणा, पारवा गांवों में और नोखा शहर में भी संपर्क हुआ। सिरडी, (चित्तौड़गढ़), पूनियो का तला

कबूलपुर (फरीदाबाद)

(बायतू), नुवां (चुरू), जीवाला, भामटसर, राजपूत हॉस्टल धानेरा, गंगेश्वर महादेव पांसवाल में भी संपर्क कार्यक्रम आयोजित हुए। उदयपुर के मीरानगर, बेडवास, मेड़ता, बाठेड़ा, मीठानीम, बिछड़ी में और बांसवाड़ा के हिम्मत सिंह का गड़ा, पिछोड़ा, उम्बाडा, अगरपुरा, मोर, वाकावाडा, जोहनिया, बिरलोका में भी संपर्क किया गया। 1 जनवरी को उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर जिले की डिवाई तहसील के गोविंदपुर, औखद, तलवार, उदयपुरखुर्द, दोगमा, चरोरी रानी कात्यानी, दानगढ गांवों में और डिवाई कस्बे में संपर्क किया गया। गौतम बुद्ध नगर जिले के सिबारा और दयानपुर गांवों में भी संपर्क हुआ। हरियाणा के महेन्द्रगढ जिले के निम्भेड़ा, निम्बी, इशराना, खोड़ गांवों में और ढाणा सतनाली में भी संपर्क किया गया। दक्षिण मुंबई, श्याम विहार कॉलोनी (नई दिल्ली), हरमाड़ा घाटी (जयपुर) में भी संपर्क हुआ। 2 जनवरी को बुलंदशहर जिले के बमनपुरी, बदरखा, कुंवरपुर, कीरतपुर, पहासू गांवों में संपर्क किया गया। गाजियाबाद क्षेत्र के गांवों में भी संपर्क किया गया। हरियाणा के हिसार और महेंद्रगढ क्षेत्र के गांवों में भी संपर्क किया गया। श्री गंगानगर जिले के राजियासर, मोकलसर, सूरतगढ़, श्रीविजयनगर, बिचोलिया में संपर्क कर समाजबंधुओं को निमंत्रण दिया गया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

हिरण्यकी (दिल्ली)

छतरपुर (दिल्ली)

रायपुर (मुजफरनगर)

जयपुर से हरियाणा, उत्तरप्रदेश होते हुए दिल्ली तक जन्म शताब्दी संदेश यात्रा

घमड़ोज (हरियाणा)

चांगढाणी (हरियाणा)

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी संदेश यात्रा का दूसरा चरण 4 जनवरी को प्रारंभ हुआ जब जयपुर स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति से संदेश यात्रा दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के लिए रवाना हुई। यात्रा की रवानगी के समय वरिष्ठ स्वयंसेवक महावीर सिंह जी सरवड़ी और संघप्रमुख लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास उपस्थित रहे। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने संदेश यात्रा रथ का तिलक करके यात्रा को रवाना किया एवं अपनी शुभकामनाएं दी। यहां से रवाना होकर संदेश यात्रा वीर दुर्गादास चौराहा होते हुए भवानी निकेतन पहुंची जहां समाजबंधुओ द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। यहां से यात्रा गोरस दुग्ध भंडार, श्री क्षत्रिय सेवा समिति दादी का फाटक, चतरपुरा, गुढ़ा सर्जन होते हुए खनीपुरा स्थित जमवाय माता के मंदिर पहुंची। इसके बाद मलिकपुर, लोहरवाड़ा, उदयपुरिया मोड़, इटावा भोपजी, छोटी सिंगोद, बड़ी सिंगोद, ढोढसर और भेरूजी मोड़ होते हुए यात्रा महरौली पहुंची जहां एक सभा का आयोजन हुआ। यहां से रवाना होकर यात्रा गुढ़ा, जालपाली मोड़, मऊ, बागरियासर, नाथूसर होते हुए मूंडरू पहुंची जहां कांग्रेस नेता विक्रम सिंह मूंडरू ने समाजबंधुओं के साथ मिलकर यात्रा का स्वागत किया। यहां से आगे यात्रा लिसाड़िया, करीरी और दिवराला होते हुए अजीतगढ़ पहुंची। सभी स्थानों पर समाज बंधुओ द्वारा यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। यहां से चीपलाटा होते हुए यात्रा गांवड़ी पहुंची जहां यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया। 5 जनवरी को यात्रा गांवड़ी से रवाना होकर आगरी गणेश्वर पहुंची जहां सरपंच प्रतिनिधि प्रताप सिंह गणेश्वर, अंतरराष्ट्रीय धावक अशोक सिंह तंवर सहित ग्रामवासियों ने यात्रा का स्वागत किया। यहां से आगे यात्रा नीमकाथाना पहुंची जहां रघुवीर सिंह भुदोली, पुलिस उपाधीक्षक प्रमोद सिंह बाजौर, तंवरावाटी प्रताप छात्रावास और स्थानीय कोचिंग संस्थानों के द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। यहां से माकड़ी, मावण्डा और गांवली

तंवरावाटी (हरियाणा)

बिहारीपुर होते हुए यात्रा डाबला पहुंची जहां एक सभा का आयोजन हुआ। यहां कारगिल युद्ध के वीर चक्र विजेता जयराम सिंह डाबला के निवास पर यात्रा दल के सदस्यों ने भोजन किया। इसके बाद यात्रा मेहरा सिहोड़, गोरीर दुधवा, शिमला, गोहद बालवा और बुहाना होते हुए ढाणा सतनाली पहुंची जहां समाज बंधुओ के साथ बैठक के पश्चात यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया। 6 जनवरी को सुबह ढाणा से रवाना होकर नगला जवाहर नगर और जड़वा मोड होते हुए संदेश यात्रा सतनाली स्थित जमवाय माता मंदिर में पहुंची जहां एक सभा आयोजित हुई जिसमें आसपास के गांवों से समाजबंधु सम्मिलित हुए। इसके बाद यात्रा निम्भेडा और निम्बी होते हुए महाराणा प्रताप चौक महेंद्रगढ़ पहुंची जहां बड़ी संख्या में समाजबंधु अपने वाहनों के साथ यात्रा के स्वागत में उपस्थित रहे। निंबी में भी सभा का आयोजन हुआ। इसके बाद यात्रा भांडोर ऊंची और कटकई होते हुए खोड पहुंची जहां सभा और दोपहर के भोजन का आयोजन हुआ। इसके बाद यात्रा भोजावास, मोहनपुर मोड़, धनोंदा, खेड़ी तलवाना, सेहलांग, बसाई, जांत, पाली, धौली मोड़, खुडाना और बास खुडाना होते हुए भिवानी पहुंची जहां यात्रा दल ने रात्रि विश्राम किया। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर अटेली विधानसभा प्रत्याशी अतरलाल, महेन्द्रगढ़ राजपूत सभा के अध्यक्ष सवाई सिंह राठौड़, सतपाल सिंह चौहान खोड़, रतन सिंह धानुन्दा, पंकज सिंह सहित अनेक गांवों के सरपंच व समाजबंधुओं द्वारा स्वागत किया गया। संदेश यात्रा अपने द्वितीय चरण के चौथे दिन 7 जनवरी को सुबह मधु माधवी से रवाना हुई और मानेरू, अजीतपुर, ढाणा लाडनपुर होते हुए हालुवास स्थित बाबा चंद्रभान सिंह चौक पहुंची जहां समाजबंधुओ द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। यहां से संदेश यात्रा देवसर, लोहानी, हेतमपुरा, लेघा होते हुए कैरू पहुंची। यहां से सुंगरपुर, बजीणा, दिनोद, बापोड़ा, रामुपुरा, बवानी खेड़ा, जाटू लुहारी और तिगड़ाना होते हुए भिवानी पहुंची। भिवानी में महाराणा प्रताप चौक और महाराजा नीमपाल सिंह चौक होते हुए यात्रा राजपूत धर्मशाला भिवानी पहुंची जहां पर समाजबंधुओ द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। यहां से यात्रा चांग पहुंची जहां यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया। अगले दिन 8 जनवरी को सुबह भिवानी के चांग गांव से रवाना होकर संदेश यात्रा रेवाड़ी खेड़ा, सिरसा घोघड़ा, खरक होते हुए चरखी दादरी क्षेत्र के बौंद गांव में पहुंची। यहां समाजबंधुओं ने पुष्पवर्षा कर संदेश यात्रा का स्वागत किया। यहां से सांवड, रानीला होते हुए यात्रा रोहतक के पिलाना में पहुंची। इसके बाद बास, बरानी, बाबरा, गिजाड़ोद, अमादलपुर होते हुए यात्रा कुलाना के पृथ्वीराज चौक पर पहुंची। यहां से पाटोदा, लुहारी, फरीदपुर, महचाना, जाटौली, बहोड़ा कल्ला होते हुए वजीरपुर पहुंची। यहां स्थित पृथ्वीराज स्मारक पर यात्रा दल द्वारा पुष्प अर्पित किए गए। इसके बाद गड़ी हरसरू होते हुए यात्रा गुरुग्राम पहुंची जहां महाराणा प्रताप सभा भवन में एक सभा का आयोजन हुआ। यहीं पर यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया। 9 जनवरी को सुबह संदेश यात्रा गुरुग्राम स्थित राजपूत वाटिका, महाराणा प्रताप सभा भवन से रवाना हुई। यहां से लेजर वैली इफको चौक, मारुति कुंज मोड़ राजीव चौक होते हुए संदेश यात्रा भौंडसी पहुंची जहां महाराणा प्रताप सभा भवन में समाजबंधुओं के साथ बैठक आयोजित हुई।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

दूहरी (उत्तरप्रदेश)

जयपुर

संपादकीय

उत्तर के अधिकारी प्रश्न

भारतीय संविधान अपने नागरिकों को कुछ मूल अधिकार प्रदान करता है जो संविधान का आधार और सबसे महत्त्वपूर्ण भाग माना जाता है लेकिन ये अधिकार भी निर्बाध नहीं है बल्कि संविधान ने इन अधिकारों को कुछ युक्ति संगत प्रतिबंधों के अधीन रखा है। इसी प्रकार से अन्य कोई भी व्यवस्था हो तो उसमें भी अधिकारों के साथ कुछ निश्चित मर्यादाएं, प्रतिबंध आदि अनिवार्य रूप से होते हैं। यदि ऐसी मर्यादाएं निश्चित नहीं की जाएं तो कोई भी व्यवस्था अस्तित्ववान नहीं रह सकती। लेकिन विरोध, कुंठाएं और नकारात्मकता इन मर्यादाओं की परवाह नहीं करते क्योंकि इन सभी का लक्ष्य किसी व्यवस्था का निर्माण करना या उसका अस्तित्व बनाए रखना नहीं होता बल्कि उस अस्तित्व को नष्ट करने का होता है। विरोध, कुंठा और नकारात्मकता सदैव इसी भ्रम में जीवित रहते हैं कि दूसरों की लाइन मिटाने से उनकी लाइन अंत में बड़ी सिद्ध हो जाएगी यद्यपि ऐसा कभी भी होता नहीं। इसी अमर्यादित और कुंठित नकारात्मकता द्वारा वर्तमान में प्रश्न करने को एक निर्बाध अधिकार मान लिया गया है और सोशल मीडिया के आगमन ने सार्वजनिक अभिव्यक्ति के मंच को सर्वसुलभ बनाकर इस अधिकार को वास्तव में निर्बाध बना भी दिया है। लेकिन प्रश्न करने का निर्बाध अधिकार प्राप्त कर लेने मात्र से ही उत्तर प्राप्त करने के अधिकार को भी निर्बाध नहीं बनाया जा सकता क्योंकि जो प्रश्न युक्तिसंगत प्रतिबंधों को स्वीकार नहीं कर सकते, वे प्रश्न उत्तर पाने के भी अधिकारी नहीं बन सकते। इसलिए यह समझना आवश्यक है कि कौन से प्रश्न उत्तर के लिए अधिकारी है और कौन से उपेक्षा के योग्य है। इसकी पहली कसौटी यही है कि जो प्रश्न जिज्ञासा से उठते हैं वे उत्तर पाने के अधिकारी हैं लेकिन जब प्रश्न के रूप में अनर्गल आक्षेप ही प्रकट होते हैं तो वे सर्वथा उपेक्षा के योग्य है। जिज्ञासा सरल होती है, अहंकारी नहीं इसीलिए जिज्ञासा से उठे प्रश्न युक्तिसंगत प्रतिबंधों को सहज रूप से स्वीकार करते हैं, मर्यादा के दायरों को स्वीकार करते हैं और इसीलिए वे प्रश्न उत्तर पाने के अधिकारी है। लेकिन अनर्गल आक्षेप रूपी प्रश्न उत्तर प्राप्त करने के लिए नहीं बल्कि अपनी नकारात्मकता और अहंकार की तुष्टि के लिए उठाए जाते हैं, इसीलिए उनके प्रति उपेक्षा ही उनका समुचित उत्तर है। दूसरी कसौटी यह है कि जो हमारे ध्येय के सापेक्ष है हमारे लक्ष्य की ओर चलने वाले सहयोगी हैं, मार्ग पर चलते हुए उनके मन में उठने वाले प्रश्न निस्संदेह समाधान पाने के अधिकारी हैं लेकिन जो हमारे ध्येय से, हमारे लक्ष्य से निरपेक्ष हैं, जो हमारी यात्रा में सहयोगी नहीं है, उनके प्रश्न उत्तर के नहीं उपेक्षा के ही अधिकारी हैं। क्योंकि उनके प्रश्नों और आक्षेपों का उत्तर देना अपनी ऊर्जा और क्षमता को लक्ष्य की ओर बढ़ने से हटाकर व्यर्थ खोना ही है। उपरोक्त दो कसौटियों पर जो खरा उतरता है वही प्रश्न किसी ध्येयनिष्ठ और कर्मठ व्यक्ति अथवा संस्था से उत्तर पाने का सच्चा अधिकारी है और जो इन कसौटियों पर खरा नहीं उतरता, वह उपेक्षा के ही योग्य है और उसे वही प्राप्त होती है। ये ही वे युक्तिसंगत प्रतिबंध कहे जा सकते हैं जो किसी प्रश्न को उत्तर प्राप्ति का अधिकारी बनाते हैं।

इस बात को और अधिक स्पष्टता से समझने के लिए हम कल्पना करें कि पूज्य श्री तनसिंह जी और उनके साथियों ने संघ के प्रारंभ से ही कितना विरोध सहा, लेकिन यदि उन्होंने उन विरोधियों और आलोचकों को उत्तर देने और उनको संतुष्ट करने में अपना समय लगाया होता तो क्या वे श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य कर पाते? उन्होंने तो ऐसे समस्त विरोधों और आलोचनाओं की उपेक्षा करते हुए अपने ध्येय के निमित्त निरंतर कर्म करते रहने का मार्ग ही चुना और उसी का परिणाम है कि उनकी तपस्या और प्रेरणा से श्री क्षत्रिय युवक संघ आज भी निरंतर अपने लक्ष्य की ओर गतिमान है। लेकिन यहां यह भी चिंतन करने योग्य है कि पूज्य तनसिंह जी ने अपने साथ चलने वाले सहयोगियों की समस्त शंकाओं और जिज्ञासाओं का समाधान किया, उनके किसी भी प्रश्न के निराकरण में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनका पूरा साहित्य श्री क्षत्रिय युवक संघ के मार्ग पर उनके साथ चलने वाले ही नहीं बल्कि भविष्य में भी इस मार्ग पर चलने वाले सहयोगियों की शंकाओं, जिज्ञासाओं और प्रश्नों के समाधान के लिए ही रचा गया है। संघ के शिविरों में भी शंका समाधान के कार्यक्रम इसीलिए रखे जाते हैं ताकि इस मार्ग पर चलते हुए हमारे सामने आने वाले प्रश्नों का समाधान हमें हमारे अनुभवी पूर्वगामियों से प्राप्त हो सके। यद्यपि आलोचना, निंदा, विरोध आदि उस पथिक के लिए अनिवार्य है जो अपनी कर्मठता से समाज में हलचल पैदा करते हुए चलता है किंतु ऐसे में हमें यह सदैव स्मरण रखना चाहिए कि ध्येयनिष्ठा और कर्मठता ही किसी भी लक्ष्य की सिद्धि के मूलमंत्र हैं और अपने ध्येय से निरपेक्ष विरोधियों को संतुष्ट करने का प्रयास करना ध्येय के प्रति निष्ठा में कमी का ही परिचायक है। यहां यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि हमारे ध्येय से निरपेक्ष विरोधियों और आलोचकों को संतुष्ट करने का प्रयास तो हमारी ध्येयनिष्ठा को चोट पहुंचाता ही है, उन्हें पराजित करने का प्रयास भी हमें हमारे ध्येय से दूर कर देता है। जो हमारे लक्ष्य की ओर नहीं चल रहा उससे उलझने के लिए हमें भी अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना छोड़ना होगा और इसी में विरोधियों की जीत छिपी है। विरोधियों की वास्तविक पराजय तो उनसे अप्रभावित रहकर हमारे निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने में ही है। इसलिए हमें अपने आपको जांचते रहना आवश्यक है कि कहीं हम विरोधियों और आलोचकों को संतुष्ट करने की प्रवंचना में अपनी ध्येयप्राप्ति में लगने योग्य ऊर्जा को गंवा तो नहीं रहे हैं। यदि ऐसा हो रहा है तो तुरंत सावधान होने और अपने ध्येय की प्राप्ति के लिए कर्मरत होने की आवश्यकता है। ध्येयनिष्ठा और कर्मठता के सामने अंततः समस्त विरोध धूल में मिल जाते हैं, इसलिए वही हमारा मूल मंत्र होना चाहिए। यही संघ की साधना का भी मूल मंत्र है। पूज्य तनसिंह जी ने अपनी पुस्तक गीता और समाज सेवा में इसीलिए लिखा है कि - ₹अपने ध्येय के प्रति उत्कट अनन्यता ही समाज-जागरण के हेतु हमारी चमत्कारिक शक्ति है।₹ जब हम अपनी सम्पूर्ण क्षमताओं से अपने ध्येय के लिए कर्मरत होंगे तभी कठिन और असंभव प्रतीत होने वाले कार्य भी सरल बन जाएंगे। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें इसके लिए सरलतम मार्ग और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रस्तुत है।

उम्मेद सिंह धोली को दी श्रद्धांजलि

जौहर स्मृति संस्थान के पूर्व अध्यक्ष उम्मेद सिंह जी धोली की पांचवीं पुण्यतिथि पर 30 दिसंबर को चित्तौड़गढ़ के गांधीनगर स्थित जौहर भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। सभा में जौहर स्मृति संस्थान के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह विजयपुर व संस्थान के अन्य पदाधिकारी, श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली, भोपाल पब्लिक स्कूल के एचडी लाल सिंह भाटियों का खेड़ा, प्रताप स्पोर्ट्स संस्थान के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह मुरोली, राम सिंह थाना, कवि नंदकिशोर निर्जर, पंडित श्री भट्ट सहित धोली परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

राजकोट में राजपूत राजकीय कर्मचारियों का स्नेहमिलन संपन्न

गुजरात के राजकोट शहर में गुजरात सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत राजपूत कर्मचारियों का स्नेहमिलन कार्यक्रम 7 जनवरी को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में लगभग 300 राजपूत कर्मचारी उपस्थित रहे एवं विभिन्न सामाजिक विषयों पर मंथन किया। सभी ने संगठित रहने और मिलकर समाज हित में योगदान देने की बात कही। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक यशपाल सिंह थलसर भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और सभी को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह की जानकारी देते हुए 28 जनवरी 2024 को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम पहुंचने का निमंत्रण दिया।

जोधपुर, नागौर, शेखावाटी और बीकानेर संभाग में संदेश यात्रा का आयोजन

चलकोई

बीकानेर

28 जनवरी 2024 को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने जा रहे पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के लिए समाजबंधुओ को निमंत्रण देने के उद्देश्य से एक संदेश यात्रा का आयोजन जोधपुर, नागौर, शेखावाटी, बीकानेर संभागों में किया गया। यह संदेश यात्रा 31 दिसंबर को जोधपुर शहर स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागीय कार्यालय तनायन से प्रारंभ हुई। यहां से यात्रा मारवाड़ राजपूत सभा भवन, चौपासनी, गोयलों की ढाणी, नारवा, इंद्रोका, बालरवा, तिंवरी, मांडियाई, औसियां, पड़ासला, मतोड़ा, कड़वा, बापिणी, जाखण, बिरलोका, पांचला सिद्धा होते हुए खींवसर पहुंची जहां धनंजय सिंह खींवसर सहित अनेकों समाजबंधु यात्रा के स्वागत में उपस्थित रहे। यहां से यात्रा आकला, बैराथल, माडपुरा, आचीणा आदि गांवों से होते हुए देउ पहुंची। सभी स्थानों पर समाजबंधुओ द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। अगले दिन 1 जनवरी को देउ स्थित श्री अन्नदाता धाम करणी माता मंदिर में यज्ञ के पश्चात यात्रा प्रारंभ हुई। देउ फांटा होते हुए लोक देवता हडबु जी की जन्म स्थली भुण्डेल नागणेच्या माता मंदिर के पहुंची। यहाँ से गुढा भगवान दास, सुखवासी, सींगड, गोगेलाव होते हुए नागौर शहर में यात्रा का काफिला पहुंचा जहाँ राजपूत कोलोनी में श्री करणी माता मंदिर प्रांगण मे कोलोनी वासियों द्वारा स्वागत किया गया। इसके बाद व्यास कोलोनी, इंदिरा कोलोनी और सुगन सिंह सर्किल होते हुए यात्रा श्री अमर राजपूत छात्रावास पहुंची जहां छात्रावास कार्यकारिणी के सदस्यों, छात्रों एवं समाजबंधुओं द्वारा स्वागत किया गया। यहां से यात्रा कलेक्ट्रेट सर्किल पहुंची जहाँ नगर परिषद चैयरमेन मीतु बोथरा, प्रकाश पाराशर सहित अनेकों गणमान्य व्यक्तियों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान सभी को यथार्थ गीता पुस्तक भी भेंट की गई। इसके बाद यात्रा वीर तेजाजी की जन्म स्थली खरनाल पहुंची जहाँ मंदिर समिति के सदस्यों एवं अन्य समाजबंधुओं द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा के पालडी पहुचने पर रेवंत राम डांगा सहित क्षेत्रवासियों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। यहां से यात्रा मुंदियाड गणेश मंदिर, शंखवास, सैणनी, असावरी, भाटियों की ढाणी होते हुए गोटन पहुंची। यहां अनेक स्थानों पर समाज बंधुओ द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। गोटन से यात्रा बाकलियावास, लाम्बा, गठिया, गगराना, रिया शयामदास, नोखा चांदावता, दधवाडा, ओलादन, देशवाल, छापरी, मेडता रोड, होते हुए मेडता सिटी पहुची जहाँ यात्रा दल ने रात्रि विश्राम किया। 2 जनवरी को सुबह यात्रा दल मेडता सिटी से रवाना होकर रासलियावास पहुंचा जहाँ कन्याओं द्वारा संदेश यात्रा रथ की अर्चना की गई। यहाँ से यात्रा के गवारडी, पादु, रिया, संथाना और डोडियाना होते हुए भैरुंदा पहुंचने पर स्थानीय प्रधान जसवंत सिंह थाटा एवं समाजबंधुओं द्वारा स्वागत किया गया। यहां से यात्रा बिखरनिया पहुंची जहां संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक हनुमान सिंह बिखरनिया और दिलीपसिंह बच्छवारी ने सहयोगियों और समाजबंधुओं के साथ मिलकर यात्रा का स्वागत किया। यहां से पालडी, पालियास, ईडवा, बावरला, आंतरौली, जालसू, तिलानेस आदि गांवों से होते हुए यात्रा डेगाना पहुंची। सभी स्थानों पर ग्राम वासियों द्वारा यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इसके बाद किरड, कीतलसर होते हुए यात्रा ने कुचामन प्रांत की सीमा में प्रवेश किया जहां संघ के नागौर संभाग प्रमुख शिम्भु सिंह आसरवा ने सहयोगियों व ग्रामवासियों के साथ मिलकर यात्रा का स्वागत किया। सभी स्थानों पर माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर की ओर से प्रेषित यथार्थ गीता पुस्तक समाजबंधुओ को भेंट की गई। जय सिंह सागु बड़ी द्वारा सभी को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह की जानकारी देते हुए दिल्ली पहुंचने का निमंत्रण दिया गया। यहां से यात्रा दल गच्छीपुरा पहुंचा जहां माहेश्वरी भवन में रात्रि विश्राम किया। 3 जनवरी को सुबह संदेश यात्रा गच्छीपुरा से रवाना होकर रामसिया, कल्याणपुरा, मनाना होते हुए कालवा पहुंची जहां स्थानीय सरपंच और ग्रामवासियों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। यहां से मकराना पहुंचने पर मुख्य चौराहे पर यात्रा का स्वागत किया गया। यहां से जूसरी होते हुए यात्रा कुचामन पहुंची जहां साधना संगम संस्थान द्वारा आयुवान निकेतन में समाजबंधुओं के साथ बैठक आयोजित की गई एवं संदेश यात्रा दल को भोजन करवाया गया। कुचामन से आगे पांचवा, कुकनवाली, चितावा, दौलतपुरा और चावण्डिया होते हुए संदेश यात्रा सांगलिया पहुंची। यहां से भगतपुरा, भीराणा, राजपुरा होते हुए यात्रा सामी गांव पहुंची जहां यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया। सभी स्थानों पर ग्रामवासियों द्वारा यात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। संघ के नागौर संभाग प्रमुख शिम्भु सिंह आसरवा अन्य सहयोगियों के साथ यात्रा में शामिल रहे। संदेश यात्रा अपने पांचवें दिन 4 जनवरी को सामी से प्रारंभ होकर जाचास, बाडलवास, मुंडवाडा, पुरां बडी होते हुए दूजोद पहुंची जहां धोद विधायक गोरधन वर्मा, प्रधान प्रतिनिधि मूल चंद रणवा, जिला परिषद सदस्य ओम प्रकाश बिजारनिया, सरपंच प्रतिनिधि विक्रम सिंह सहित ग्रामीणों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद यात्रा नाथावतपुरा, पालवास होते हुए सीकर स्थित श्री कल्याण राजपुत छात्रावास सीकर पहुंची। यहां से पिपराली, सिंहासन, तारपुरा व बेरी होते हुए यात्रा ने झुंझुनू जिले में प्रवेश किया और झाझड़, बसावा, बारवा, देवीपुरा, गोलयाना, चिराना, नांगल, उदयपुरवाटी, इन्दरपुरा होते हुए धमोरा पहुंची। सभी स्थानों पर ग्रामवासियों द्वारा उत्साह पूर्वक यात्रा का स्वागत किया गया। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

देणोक

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल

Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
© 0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

जोधपुर, नागौर, शेखावाटी और बीकानेर संभाग में संदेश यात्रा का आयोजन

श्री डूंगरगढ़

शेरगढ़

बीकानेर

(पेज पांच से लगातार)

5 जनवरी को प्रातः सामूहिक यज्ञ के बाद धमोरा से रवाना हुई और भोड़की, गुढ़ा, टीटनवाड, लाडसर, भोजासर , पुसकानी, शेंसवास, चूड़ी, दीनवा, मंडावा, बड़ागांव, दोरासर होते हुए झुंझुनू शहर में सार्दुल छात्रावास पहुंची, जहां विद्यार्थियों व समाजबंधुओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर यात्रा का स्वागत किया। यात्रा दल द्वारा झुंझुनू में स्थित सार्दुल सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि भी अर्पित की गई। इसके बाद यात्रा दुराना, हेतमसर, लुमास, लाडसर, भोजासर शेसवास, चूड़ी, दीनवा, मंडावा, वाहिदपुरा , तोलियासर, मोजास, टोडरवास, पाटोदा, टाई आदि गांवों में पहुंची और समाजबंधुओं को दिल्ली में होने वाले जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया। इसके बाद यात्रा बिसाऊ से चुरू जिले में प्रविष्ट हुई। खासोली होते हुए यात्रा चुरू पहुंची तथा यहां रात्रि विश्राम किया। 6 जनवरी को यात्रा घण्टेल, सोमासी, कोटवाद और चलकोई होते हुए तारानगर पहुंची। इस दौरान पूर्व प्रधान विक्रम सिंह कोटवाद यात्रा में शामिल रहे। यात्रा दल द्वारा तारानगर स्थित राजपूत छात्रावास में दोपहर का भोजन किया गया। उसके बाद सातमील, तोगावास, भालेरी गांवों में यात्रा पहुंची। सभी स्थानों पर ग्रामवासियों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद संदेश यात्रा ने सरदारशहर मंडल में प्रवेश किया। यहां नैनासर, मैनासर, उडसर, सरदारशहर, राणासर व आसलसर में यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद संदेश यात्रा का रतनगढ़ मण्डल में प्रवेश हुआ जहाँ श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक सुमेर सिंह गुढा ने सहयोगियों के साथ मिलकर स्वागत किया। यहां से यात्रा मालासर पहुंची जहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य कल्याण सिंह मेलुसर ने स्वागत किया। गोगासर में सरदारशहर के विधायक अनिल शर्मा ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर यात्रा का स्वागत किया। रतनगढ़ में भाजपा नेता भागीरथ सिंह घुमन्दा व अन्य क्षेत्रवासियों ने यात्रा का स्वागत किया। यहां से यात्रा नुवां गांव में वीर दुर्गादास शाखा स्थल पर पहुंची। इसके बाद पायली, राजलदेसर होते हुए यात्रा परसनेऊ पहुंची जहां यात्रा दल ने रात्रि विश्राम किया। अपने आठवें दिन 7 जनवरी को सुबह संदेश यात्रा परसनेउ से रवाना हुई और मोमासर, सतासर, लालासर, आडसर, ठुकरियासर होते हुए श्री डूंगरगढ़ पहुंची। यहां स्थानीय विधायक ताराचंद सारस्वत, नगरपालिका अध्यक्ष मानमल शर्मा, पूर्व प्रधान छैलू सिंह शेखावत, भारत सिंह सेरूणा सहित अनेकों समाजबंधुओं ने यात्रा का स्वागत किया। यहां से लखासर और जोधासर होते हुए यात्रा झंझेऊ पहुंची। यहां से सेरूणा, गुंसाईसर, रुपनाथ मंदिर बेलासर, नापासर होते हुए बीकानेर शहर स्थित नागणेची माता मंदिर पहुंची जहां बीकानेर पूर्व से विधायक सिद्धि कुमारी एवं खाजूवाला विधायक विश्वनाथ द्वारा संदेश यात्रा का स्वागत किया गया। यहां से सैकड़ो दुपहिया एवं चौपहिया वाहनों के साथ यात्रा शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन पहुंची। यहां मातृशक्ति द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया।

नोखा के पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई, श्री क्षत्रिय युवक संघ के बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर सहित अनेकों सहयोगी एवं समाजबंधु यात्रा के स्वागत में उपस्थित रहे। 8 जनवरी को सुबह 8:30 बजे बीकानेर स्थित संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन से यात्रा प्रारम्भ हुई। यहां से नाल, चावड़ा बस्ती, बच्छासर और भोलासर होते हुए यात्रा हाडला रावलोतान पहुंची। सभी स्थानों पर समाजबंधुओं द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद यात्रा कोलायत में पहुंची। यहां महेन्द्र सिंह सर्किल से मुख्य बाजार होते हुए यात्रा उपरला बास पहुँची जहाँ मातृशक्ति द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। यहां से झझु, खाखुसर, हदा, लमाणा, खिंदासर होते हुए यात्रा भेलू पहुंची। सभी स्थानों पर यात्रा का समाजबंधुओ द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इसके बाद यात्रा ने जोधपुर संभाग में प्रवेश किया और चिमाणा, घंटियाली, देणोक, शैतान सिंह नगर होते हुए फलोदी पहुंची जहां यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया। संदेश यात्रा अपने दसवें दिन फलोदी से प्रारंभ हुई। यहां से बाप, शेखासर, अखाधना, खेतुसर, धोलिया (बारु) आदि गांवों से होते हुए यात्रा टेपू पहुंची। इसके बाद टेकरा, सिहडा, बैंगटी हड़बुजी, खारा, उगरास, ढढू, बामणू होते हुए संदेश यात्रा लोकदेवता पाबूजी के जन्म स्थान कोलू पाबूजी पहुंची। यहां से मंड़ला कल्ला, खेड़ाबागोरिया, चांदसमा, ऊंटवालिया, सगरा आदि गांवों में यात्रा पहुंची। सभी स्थानों पर समाजबंधुओ द्वारा उत्साह पूर्वक यात्रा का स्वागत किया गया। 10 जनवरी को सुबह यात्रा देचू से रवाना हुई और पीलवा, नाथड़ाऊ, लोड़ता, देवातू, चामू, डेरिया, भालू होते हुए केतू पहुंची। इसके बाद यात्रा सेखाला, सोलंकियातला, भूंगरा, नाहरसिंह नगर होते हुए शेरगढ़ स्थित आवड़ माता मंदिर पहुंची। इसके बाद यात्रा तेना, खिरजां, बालेसर होते हुए बेलवा पहुंची जहां यात्रा दल ने रात्रि विश्राम किया। इस संदेश यात्रा की पूर्णाहुति 11 जनवरी को हुई जब जोधपुर से प्रारंभ हुई यात्रा नागौर, शेखावाटी और बीकानेर संभागों की यात्रा पूरी करते हुए वापस जोधपुर पहुंची। अपने बारहवें दिन यात्रा बेलवा से रवाना हुई। यहां से बस्तवा, गोपालसर, जिनजिनयाला, निम्बा का गाँव, घुड़याला, जियाबेरी, जोलीयाली, जानादेसर, झंवर, लुणावास खारा होते हुए यात्रा भांडु कला पहुंची। लुणावास कला, गेलावास, धवा, सिनली, पिपरली, धुन्धाड़ा, गोलियामगरा, सर, सरेचा।और सालावास होते हुए जोगमाया मंदिर जय भवानी नगर (सांगरिया) पहुंची। इसी के साथ इस बारह दिवसीय संभागीय संदेश यात्रा का समापन हुआ।

जैसलमेर और पिलानी में तैयारी बैठकों का आयोजन

पिलानी

जैसलमेर

28 जनवरी को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाले जन्म शताब्दी समारोह की तैयारियों को लेकर जैसलमेर स्थित तनाश्रम कार्यालय में एक बैठक 10 जनवरी को आयोजित हुई जिसमें संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिंनयाली ने सहयोगियों के साथ संभाग में चल रही तैयारियों पर चर्चा की। पिलानी राजपूत छात्रावास में भी एक तैयारी बैठक 8 जनवरी को आयोजित हुई जिसमें शेखावाटी क्षेत्र से समारोह में भागीदारी की तैयारियों पर चर्चा की गई।

धानेरा और दांतीवाड़ा में कर्त्तव्य पथ संदेश यात्रा का आयोजन

गुजरात के पालनपुर जिले में 7 जनवरी को दांतीवाडा और धानेरा तहसील में कर्तव्य पथ संदेश यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें कुल 34 गांवों में संपर्क कर जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया गया। दांतीवाडा तहसील के पांथावाडा, आरखी, पांसवाल, भीलाचल, कोटडा, वाछडाल, डांगीया, धनियावाडा, गुंदरी, गागुदरा, वावदरा, आकोली, महुडी और ओढवा गांवों में संपर्क किया गया। धानेरा तहसील में चारडा, जडीया, भाटीप, शिया, नेनावा, लवारा, विछीवाडी, गोला, जाडी, महोत्सव, अनापुर, मांडल, पेगाला, आलवाडा, वाछडाल, राजोडा, धानेरा, रामसण और सामलवाडा गांवों में संपर्क किया गया।

(पृष्ठ एक का शेष)

श्रद्धेय आयुवान...

1952 के प्रथम आमचुनावों में वे जोधपुर के तत्कालीन महाराजा के रणनीतिकार रहे एवं उन्होंने ही आग्रह पूर्वक तनसिंह जी को बाड़मेर से चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया। उन्होंने ही राजस्थान में सत्ताधारी दल के सामने प्रबल प्रतिपक्ष स्थापित करने के लिए स्वतंत्र पार्टी को राजस्थान में विकल्प के रुप में स्थापित करने का प्रयास किया। आपने स्वयं ने भी दो बार विधानसभा चुनाव लड़ा लेकिन सफल नहीं हो पाये। इसी दौरान वे कैंसर रोग से ग्रसित हो गए और 7 जनवरी 1967 को उनका देहावसान हो गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ का 4 से 7 सितंबर 1947 तक बाड़मेर में आयोजित शिविर उनका प्रथम शिविर था।

उन्होंने अपने जीवनकाल में संघ के 44 शिविर किए। 15 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 1961 तक आयोजित मेड़ता शिविर उनका अंतिम शिविर था। पूज्य माट्साब की 57वीं पुण्यतिथि पर स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं द्वारा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। विभिन्न स्थानों पर शाखा स्तर पर उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखे गए जिनमें उपस्थित रहकर स्वयंसेवकों ने श्रद्धेय आयुवान सिंह जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा कर उनके संघर्षशील व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

पांच राजपूत...

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली दिव्याकृति श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक कर्नल हिम्मत सिंह की पौत्री है। मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के रतनपुर गांव के निवासी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर शूटिंग (निशानेबाजी) के खिलाड़ी हैं जिन्होंने हांगझोऊ एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता था। हिमाचल प्रदेश के शिलाई क्षेत्र की निवासी ऋतु नेगी कबड्डी की खिलाड़ी है और भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान है। उनके नेतृत्व में ही भारतीय टीम ने चीन में आयोजित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। तेलंगाना के हैदराबाद की निवासी ईशा सिंह शूटिंग (निशानेबाजी) की खिलाड़ी है और हांगजोऊ एशियाई खेलों में 25 मीटर टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक और 25 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी है। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ की निवासी शीतल देवी तीरंदाजी की खिलाड़ी है। 16 वर्षीय दिव्यांग शीतल के दोनों हाथ जन्म से नहीं है। इसके बावजूद वे पैरों से तीरंदाजी करती है और चीन में आयोजित एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीत चुकी है। विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इन प्रतिभाओं ने अपनी उपलब्धियों से समाज को गौरवान्वित किया है। पथप्रेरक उनकी इस सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना करता है।

(पृष्ठ दो का शेष)

जन्म शताब्दी...

पाटोदी (बायतू), सवाऊ मूलराज, जाजवा, खमनोर (राजसमंद) में भी संपर्क किया गया। 3 जनवरी को हरियाणा के झज्जर जिले के कुलाना और लुहारी में संपर्क हुआ। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के रनेरा, महोवलीपुर, बंकापुर में और महाराणा प्रताप भवन, गाजियाबाद में भी संपर्क बैठकें आयोजित हुई। चुरू जिले में तारानगर राजपूत छात्रावास, रेडी, सारायण, पुनरास, मदावस, कोहिणा, भालेरी, तोगावास गांवों में और नागौर के दौलतपुरा, छापरी, कीचक, कुड़ली गांवों में संपर्क किया गया। बालोतरा संभाग में पादरू, बेडवा, ढिगाल, सरवड़ी में और वागड़ क्षेत्र के अखेपुर, आनंदपुरी और खुमानपुर में संपर्क किया गया। अजीतगढ़ (नीम का थाना), रींगस (सीकर), अलखपुरा, खन्नीपुरा, गुढा सर्जन, चतरपुरा (जालसू), ढोढ़सर, इटावा भोपजी, उदयपुरिया, लोहरवाड़ा, बलेखण (चौमू) में भी संपर्क हुआ। क्षत्रिय सेवा समिति, दादी का फाटक (जयपुर), ठाकरांवली (श्री गंगानगर), कानासर, मेहरासर, राजियासर- मोकलसर, बदरासर, बिलोचिया, श्री विजयनगर और सूरतगढ़ में भी संपर्क किया गया। 4 जनवरी को बुलंदशहर जिले के हुसैनपुर, फूलैदा, हिरनौटी गांवों में संपर्क किया गया। चांधन प्रान्त के डांगरी, देवीकोट और छोड़ गांव में, तारानगर क्षेत्र के ताल भलाऊ, झांझनी, चंगोई, बांय, झाड़सर कांधलान, मेघसर और दुलेरी गांवों में भी संपर्क किया गया। रतनगढ़ में पंचायत समिति कार्यालय, पड़िहारा मोहल्ला और बिकां बास में भी संपर्क किया गया। कावनी, अमरपुरा, भानीपुरा, नोखा देया, रामसर, नाल, अनूपगढ़, घड़साना, खाल, राजपूत छात्रावास अजमेर, केकड़ी शहर में भी संपर्क किया गया। नागौर जिले के सिंगरावट खूर्द, खरेश, खोजास, डसाणा कला, थेबड़ी, गांवड़ी, तोषिणा, बगतपुरा, पीड़वा, सानिया, खुनखुना, कोडासर, सारंगसर, गनोड़ा, हेमासर, चरला, परावा, मालकसर, पेलास, डुंगरास, घंटियाल आदि गांवों में भी संपर्क हुआ। 5 जनवरी को बुलंदशहर जिले के कमालपुर, नूरपुर, हसनपुर में संपर्क किया गया। डीडवाना क्षेत्र के आगुंता, खुड़ी, डाबगांव, खाटू कोनीयाड़ा, भवाद, बिचावा, बुडोद, मंडूकरा, कुडोली, लोरोली खुर्द, लोरोली कला गांवों में भी संपर्क किया गया। 6 जनवरी को दिल्ली के तिगीपुर, बख्तावरपुर, हिरण्यकी ग्राम, शंगेरपुर, पल्ला आदि क्षेत्रों में संपर्क किया गया। दाउदपुर, रुनिजा, पीएम प्रकाश हॉस्पिटल नोएडा, सिसोदिया चौपाल ग्राम और कालेड़ा में भी संपर्क हुआ। 7 जनवरी को दिल्ली में ग्रीन सिटी गोविंदपुरा, सिंगलपुर और करावल नगर में संपर्क किया गया। गाजियाबाद में वेबसिटी और करहेड़ा में, एसजीएम नगर फरीदाबाद, जटौली (लुहारी) में भी संपर्क किया गया। आसलसर, खाखोली, डाबड़ा, भाड़ासर, बांसा, रशिदपुरा, मौलासर, आजडोली (नागौर), डोराई (अजमेर), बरोडा (बांसवाड़ा), सरना डूंगर (जयपुर) में भी संपर्क हुआ। 9 जनवरी को उत्तरप्रदेश में सहारनपुर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में संपर्क किया गया। बुलंदशहर के छुटमलपुर में, दिल्ली में साकेत के खिड़की गांव में, अजमेर के कुरथल और नानदासी गांव में, उदयपुर के दमाना (झाड़ोल) में संपर्क किया गया। 10 जनवरी को उत्तरप्रदेश में पीपल शाह, छिमाऊ, गुज्जर रेड़ी, बुढ़ा खेड़ा (मुजफ्फरपुर), दुधली, सधारणसिर (सहारनपुर) में समाजबंधुओं से संपर्क कर जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया गया। अजमेर में मोहना पुल, नागोला, केरिया खुर्द, कनई कला, सोबड़ी, सोल खुर्द में भी संपर्क हुआ। दिल्ली के छतरपुर क्षेत्र में भी संपर्क किया गया।

(पृष्ठ तीन का शेष)

जयपुर से हरियाणा, उत्तरप्रदेश....

यहां से घामडोज, सेजवास, बेहल्पा, खेड़ला, दौहला होते हुए संदेश यात्रा सोहना पहुंची जहां राजपूत सभा भवन में एक सभा का आयोजन हुआ। इसके बाद यात्रा आटा, नूंह, उजीना, कुरथल, बिघावली होते हुए छांयसा पहुंची। यहां से स्वामीका, उडीथल, हथीन और रायपुर होते हुए यात्रा पलवल पहुंची। सभी स्थानों पर स्थानीय समाजबंधुओं ने संदेश यात्रा का स्वागत किया। पलवल स्थित महाराणा प्रताप सभा भवन में समाजबंधुओ के साथ बैठक के पश्चात यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया। संदेश यात्रा 10 जनवरी को पलवल स्थित महाराणा प्रताप भवन से रवाना हुई। यहां से पातली, अगवानपुर, फिरोजपुर होते हुए संदेश यात्रा डूडसा पहुंची जहां समाजबंधुओं के साथ बैठक कर जन्म शताब्दी समारोह पर चर्चा की गई। इसके बाद यात्रा सीकरी, प्याला, असावटी, प्रहलादपुर, सनपेड होते हुए शाहपुर कल्ला पहुंची। यहां से आगे सोतई, बहवलपुर, कोराली, चांदपुर, शाहजापुर, फज्जूपुर, अरुवा, शाहपुर खादर, छायसा, हसनपुर, बलाई, बागपुर होते हुए करौली पहुंची। यहां यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा के दौरान सभी स्थानों पर समाजबंधुओं द्वारा सन्देश यात्रा का स्वागत किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक नारायण सिंह पांडुराई एवं डॉ. हरेंद्र राणा (अध्यक्ष, महाराणा प्रताप भवन, पलवल) सहयोगियों के साथ यात्रा में शामिल रहे। 11 जनवरी को संदेश यात्रा ने हरियाणा से उत्तरप्रदेश में प्रवेश किया और रघुपुर से रवाना होकर मुजार्पुर, रुनीजा, रुस्तमपुर, खेड़ा, पलहका, फरेदा होते हुए करौली पहुंची। इसके बाद मेहमदपुर जादौन, झाझर ककोड, वैर और भौरा होते हुए यात्रा नूरपुर पहुंची। यहां से आगे दुलेहरा, सिकंदराबाद, दादरी, धूम, बिसाहेड़ा, पीयावाली होते हुए रसूलपुर पहुंची। इसके बाद ऊंचा गांव, खगोड़ा, जारचा, सामना, सपनावत, नारायणपुर, धौलाना और ककराना होते हुए यात्रा कदौला पहुंची जहां यात्रा दल द्वारा रात्रि विश्राम किया गया।

गजेन्द्रसिंह आऊ की धर्मपत्नी का देहावसान

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक गजेन्द्र सिंह आऊ की धर्मपत्नी **श्रीमती चन्द्र कंवर** का देहावसान 31 दिसंबर 2023 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्रीमती चन्द्र कंवर

भोम सिंह बेदू को मातृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक भोम सिंह बेदू (प्रथम) की माताजी **श्रीमती उच्छब कंवर** धर्मपत्नी श्री पुंजराज सिंह का देहावसान 04 जनवरी 2023 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनो के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्रीमती उच्छब कंवर

वयोवृद्ध स्वयंसेवक महालसिंह जीणवास का निधन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वयोवृद्ध स्वयंसेवक **महाल सिंह जी जीणवास** का देहावसान 9 जनवरी 2024 को हो गया। उन्होंने अपने जीवनकाल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 29 शिविर किए जिनमें 10 उच्च प्रशिक्षण शिविर, 10 माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर और 9 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। 11 से 31 मई 1952 तक दांता में आयोजित उच्च प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

महाल सिंह जी

मोरचंद प्रांत में दो दिवसीय संदेश यात्रा का आयोजन

गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के मोरचंद प्रांत में पूज्य तन सिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के निमित्त दो दिवसीय संदेश यात्रा का आयोजन 6-7 जनवरी को किया गया जिसमें प्रांत के 40 गांवों में संपर्क कर जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया गया। यात्रा का प्रारंभ 6 जनवरी को अवानियां गांव से हुआ। स्थानीय बालिका शाखा की स्वयंसेविकाओं द्वारा तिलक कर संदेश यात्रा को रवाना किया गया। इसके बाद यात्रा मलेकवदर, गुंडी, बाड़ी, मोरचंद, पड़वा, सोसिया, अलंग, नवागाम, खडसलिया, थलसर सहित 22 गांवों में पहुंची। दूसरे दिन यात्रा सनोदर, वावडी, ओदारका, तनसा, लाकडिया, चूड़ी, पिपरला, मोटा खोखरा, नाना खोखरा, खरकड़ी सहित 18 गांवों में पहुंची। सभी स्थानों पर समाजबंधुओं द्वारा संदेश यात्रा का स्वागत करते हुए अधिकाधिक संख्या में दिल्ली पहुंचने का संकल्प व्यक्त किया गया।

थराद प्रांत में जन्म शताब्दी संदेश यात्रा का आयोजन

गुजरात में थराद प्रांत में 5 से 20 जनवरी तक पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के निमित्त एक संदेश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें थराद, वाव, सुईगाम, दियोदर, लाखणी, भाभर और कांकरेज तहसीलों के विभिन्न गांवों में संपर्क करके समाजबंधुओं को दिल्ली पहुंचने के लिए निमंत्रित किया जा रहा है। 5 और 6 जनवरी को वलादर, केसरगाम, मेसरा, वाघासण, सवराखा, करबुण, नारोली, ताखुआ, शेराऊ, पीलुडा, भापी, भडोदर, भोरल, लोरवाडा, ईढाटा, लेडाउ, चारडा और खानपुर गाँवों में संदेश यात्रा पहुंची। 7 जनवरी को जादला, डेल, नादला, रामसण, कुडा, राह, भोरडु, उदराणा और जेटा गांवों में संपर्क किया गया। 8 जनवरी को जेतडा, सेदला, घोडासर, ऊँटवेलिया, डुवा गाँवों में और 9 जनवरी को गोलमाल, नालोदर, राशेणा, आसुवा, ढीमा, कारेली, मंडाली, जोरडीयाली, दैयप और अरजणपुरा गांवों में यात्रा पहुंची। 10 जनवरी को धराधरा से संदेश यात्रा प्रारंभ हुई और जाणावाडा, वजापुर, वाछरडा, धनाणा, चाला, तीर्थगाम और माडका गाँव में पहुंचकर जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया। गुमानसिंह माडका, सिद्धराजसिंह पीलुडा, अरविदसिंह नारोली, थानसिंह लोरवाडा, भगवानसिंह व प्रवीणसिंह वलादर आदि सहयोगी यात्रा में साथ रहे। 11 जनवरी को यात्रा सणाविया, लिबाऊ, चालवा, लवाणा, मकडाला, कुंवाता, चिभडा, गोलवी और धुणसोल गांवों में पहुंची।

लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत बने मध्य भारत क्षेत्र के जीओसी

लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत को मध्य भारत क्षेत्र का जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) नियुक्त किया गया है। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के निराधनु गांव के मूल निवासी शेखावत ने 1 जनवरी 2024 को कार्यभार ग्रहण किया। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र पी एस शेखावत 19 दिसंबर 1987 को 16 मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री में नियुक्त हुए। उन्होंने रक्षा सेवा स्टाफ कोर्स, सीनियर कमांड कोर्स, हायर कमांड कोर्स और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, ढ़ाका (बांग्लादेश) से महत्वपूर्ण कोर्स उत्तीर्ण किये। उन्होंने सेना में अपने कार्यकाल के दौरान बटालियन, आर्म्ड ब्रिगेड की कमान संभालने के साथ ही गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच टकराव के दौरान पूर्वी लद्दाख में एक माउंटेन डिवीजन की कमान भी संभाली। वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला में प्रशिक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने यूनीफिल (संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल लेबनान) में संपर्क अधिकारी, सेना मुख्यालय की सैन्य सचिव शाखा में सहायक सैन्य सचिव, इन्फैंट्री डिवीजन में कर्नल जनरल स्टाफ, मैकेनाइज्ड फोर्स के महानिदेशक, कर्नल जनरल स्टाफ (प्रशिक्षण) के रूप में भी सेवाएं दी हैं। दक्षिण पश्चिमी कमान में ब्रिगेडियर जनरल स्टॉफ (ऑपरेशंस) के रूप में भी कार्यरत रहे हैं। वे मेजर जनरल प्रशासन (दक्षिणी कमान), सेना मुख्यालय में महानिदेशक (अनुशासन, समारोह और कल्याण) और मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के कर्नल ऑफ दी रेजिमेंट भी रह चुके हैं।

विकास राणा ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीते दो स्वर्ण पदक

हरियाणा के जींद जिले के सुखैन खुर्द गांव की बेटी विकास राणा ने जर्मनी में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री स्कीइंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने स्कीइंग के 5 व 10 किलोमीटर क्रॉस कंट्री इवेंट में ये पदक जीते हैं। सामान्य किसान परिवार से आने वाली विकास राणा इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी है। वे इससे पहले राष्ट्रीय खेलों में भी 4 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य पदक जीत चुकी है। वे एशियाई खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

जितेंद्र सिंह भाटी बने सर्वश्रेष्ठ घुड़सवार

दक्षिण बसिया क्षेत्र के मगरा गांव के निवासी जितेंद्र सिंह भाटी ने हैदराबाद की राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में आयोजित हो रही 42वीं अखिल भारतीय पुलिस इक्वेस्ट्रियन चैंपियनशिप एवं माउंटेड पुलिस ड्यूटी मीट 2023-24 में 'बेस्ट राइडर' (सर्वश्रेष्ठ घुड़सवार) का पुरस्कार जीता है। जितेंद्र सिंह वर्तमान में राजस्थान पुलिस में उपाधीक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। वे 2018 में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित एशियाई खेलों में रजत पदक भी जीत चुके है।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (**दूरभाष: 2466353 व 2466387**) से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org